7/131

578/97

55

::-- वसीयतनामा --::

मैं श्रीमती हरभजन कौर पत्नी सरदार गुरजीत सिंह, निवासिनी भवन संख्या-6/1, चन्दरनगर, आलमबाग, शहर लखनऊ की हूँ।

जोकि मेरी आयु इस समय लगभग 68 वर्ष की हो चुकी है और जीवन का कोई भरोसा नहीं है कि कब जान तन से निकल जाये। लिहाजा मुझको वाजिब व लाजिम आया कि अपनी जिन्दगी में अपनी एक किता आराजी मिन-जुमला खसरा नम्बरी-588/1 {पाँच सौ अट्ठासी बटा एक}, तादादी आठ{8}-बिस्वा सोलह {16} बिस्वान्सी सात{7}कचवान्सी, वाके मौजा बरगवाँ, परगना बिजनौर, तहसील व जिला लखनऊ का ऐसा इन्तजाम कर दूँ ताकि बाद मेरी मृत्यु के कोई झगड़ा मेरे उत्तराधिकारियों में पैदा न हो। मेरे दो पुत्र {1}-सरदार गुरमुख सिंह {2} सरदार गुरमीत सिंह मौजूद हैं, जो मेरी हर प्रकार की सेवा वगैरह बराबर करते हैं। मेरी इच्छा है कि बाद मेरी मृत्यु के मेरी उक्त आराजी का मालिक कामिल व काबिज मेराछोटा पुत्र सरदार गुरमुख सिंह, निवासी भवन संख्या-6/1, चन्दरनगर,आलमबाग, शहर लखनऊ हो। लिहाजा मैं अपनी खुशी व रजामन्दी से बिना किसी अनुचित दबाव के दुरूस्त होश-हवास में खूब सोच व समझ कर निम्नलिखित "वसीयत" तहरीर करती हूँ। जिसका अमल दरामद बाद मेरी मृत्यु के होगा :--

{1} यहकि जब तक मैं जीवित रहूँगी अपनी उपरोक्त आराजी की मालिक कामिल व काबिज रहूँगी।

{2} यहकि बाद मेरी मृत्यु के मेरी उपरोक्त आराजी का मालिक-कामिल व काबिज मेराछोटा पुत्र सरदार गुरमुख सिंह पुत्र स्व0 सरदार गुरजीत सिंह, निवासी भवन संख्या-6/1, चन्दरनगर,आलमबाग, शहर लखनऊ होगा और

Harbhajan Kaur

पठन किया
तुलना किया

वसीयत

Fu 100 + 20 = 120/- wt hoo

16.12.87

Harbhjan Kaur

हरभजन कौर W/o सुजीत सिंह

पुत्री श्री चन्द सिंह

16/12/87 उपलवान हैं

जाकर मुक

16.12.87 Harbhjan Kaur

श्रीमती हरभजन कौर

सुजीत सिंह

सुजीत सिंह

चन्द सिंह

श्री भूपेन्द्र कुमार

राजेश कुमार

Harbhjan Kaur 16-12-87

Singh

नोट: अभ्यर्थियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिए गये हैं।

16.12.87

उनको मेरे समान कुल अधिकार मालिकाना प्राप्त होंगे ।

§3§ यहकि बाद मेरी मृत्यु के कोई दीगर शख्स या मेरा कोई रिश्तेदार या मेरा दूसरा पुत्र सरदार गुरमीत सिंह कोई दावा व हक बाबत जायदाद वसीयती पेश करे, तो वह दावा उनका तहरीर वसीयतनामाके समक्ष नाजायज व बेअसर होगा।

लिहाजा यह दस्तावेज "वसीयतनामा" मैंने अपनी खुशी व रजामन्दी से बिना किसी अनुचित दबाब के दुरूस्त होश हवास में खूब सोच व समझ कर बहक अपने बड़े पुत्र सरदार गुरमुख सिंह लिख दिया ताकि सनद रहे और समय पर काम आवे ।

::-- चौहद्दी आराजी वसीयती मजकूर --::

पूरब	:--	गोदाम पी0 सी0 एफ0 ।
पश्चिम	:--	सड़क ।
दक्खिन	:--	भूमि गुरमुख सिंह ।
उत्तर	:--	भूमि श्रीमती भूपेन्द्र कौर साहनी ।

-------------:::-------------

लखनऊ : दिनाँक
15/दिसम्बर/1997ई0

हस्ताक्षर वसीयतकर्ता
Harnam Kaur

साक्षीगण :--

§1§
पता:-

§2§
पता:- GURMEET SINGH
146/2 Chander Nagar
Alambagh LKO

टाईपकर्ता:--
§जीवन कृष्ण तिवारी§

दस्तावेज लेखक का नाम ... 31.3.98 ...
दस्तावेज लेखक का हस्ताक्षर

केन्द्रीय अभिलेखागार लखनऊ

सत्यमेव जयते

आज दिनांक 16-12-99 को फोटो स्टेट प्राप्त
पुस्तक संख्या 1 जिल्द 43 के
पृष्ठ 28/68 पर क्रम संख्या 578
रजिस्ट्री कुल किया गया।

उप-निबन्धक
लखनऊ

वही [illegible] जिल्द सं० 26 के पृष्ठ 307 से 3??
पर क्रम सं० 578 आ... दिनांक 15-1-99 को
दर्ज की गई

पठन किया........✓
तुलना किया........

प्रभारी/रिकार्ड कीपर
के. अभि. निबन्धन भवन
लखनऊ

S. R. [signature]
LKo

छाया प्रति प्रमाणित
23/05/25

प्रभारी/रिकार्ड कीपर
के० अ... निबन्धन भवन
लखनऊ